In addition an internal inquiry was ordered by ITDC. The report of that inquiry has been received and is under examination.

मध्य प्रदेश में विद्युत की मांग और आपूर्ति

1571. **श्री राघवजी** : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) 31 अक्तूबर, 1995 की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता और कितना विद्युत उत्पादन हो रहा था और वास्तविक मांग कितनी थी;

(ख) क्या यह सही हैं कि विद्युत की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर हैं, यदि हां, तो मांग को पूरा करने के लिये क्या प्रयास किये जा रहे हैं; और

(ग) सरकार ने कौन-कौन सी नई विद्युत परियोजनाएं तैयार की हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल) : (क) 31.3.95 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश में कुल अधिष्ठापित क्षमता 3863.36 मेगावाट थी और अप्रैल – अक्तूबर, 1995 के दौरान राज्य क्षेत्र का वस्तुत: विद्युत उत्पादन 9542 मेगावाट था। अप्रैल – अक्तूबर,95 की अवधि के दौरान मध्य प्रदेश में 16085 मिलियन यूनिट ऊर्जा की आवश्यकता थी, इसकी अपेक्षा 15102 मिलियन यूनिट ऊर्जा उपलब्ध थी जोकि 6.1% की कमी का द्योतक हैं।

(ख) मांग और उपलब्धता के बीच अन्तर को समाप्त करने के लिए किए गए विभिन्न उपायों में ये शामिल हैं; नई विद्युत उत्पादन क्षमता को शीघ्र चालू करन, अल्प अवधि में निर्माण की जाने वाली परियोजनाओं को क्रियान्वित करना, विद्यमान विद्युत केन्द्रों के कार्य निष्पादन में सुधार करना, आर एण्ड एम कार्यक्रम को क्रियान्वित करना, पारेषण एवं वितरण संबंधी हानियों की मात्रा को कम करना, बेहतर मांग प्रबन्ध और ऊर्जा संवर्धन उपायों को क्रियान्वित करना और पड़ोसी राज्यों/प्रणालियों से विद्युत के अन्तरण की व्यवस्था करना। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी क्षेत्र में केन्द्रीय क्षेत्र के केन्द्रों से भी राज्य को अपने हिस्से की विद्युत प्राप्त होती हैं।

(ग) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा स्वीकृति की गई नई परियोजनाओं एवं केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की जांच की जा रही परियोजनाओं की सूची नीचे विवरण में दी गई हैं।

विवरण

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा मध्य प्रदेश के लिए स्वीकृत की गई नई परियोजनाएं तथा जांच की जा रही परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	क्षमता (मेगावाट)	आईडीसी को छोड़कर अनुमोदित लागत (आईडीसी समेत) (करोड़ रू.)	केविप्रा में प्राप्त होने की तारीख	विद्युत (प्रदाय) अधिनियम की धारा 29 की अनुपालन
1	2	3	4	5	6
क.	**केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत/मूल्यांकित**				
1.	मरीखेड़ा ज.वि. (मोहिनी सागर)	2x20=40	87.92 (106.9)	9/92	जी, हां
			कुछेक शर्तो के अधीन 23.4.93 को स्वीकृति प्रदान की गई थी।		
2.	महेश्वर ज.वि. (मै.एस.कुमार्स लि.)	10x40=400	824(1073)	6/93	जी, नहीं
			तकनीकी और लागत की दृष्टि से स्वीकृति के लिए 12.11.93 को विचारानुसार स्वीकार्य पाई गई। धारा 29 की अनुपालना के पश्चात् औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। मध्य प्रदेश राज्य सरकार के लोग स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उठाई गई आपत्तियों का संतोषजनक समाधान) और अन्य शर्तो के अधीन।		
3.	ओंकारेश्वर बहुउद्देशीय ज.वि.	8x65=520	958.82(1216.95)	12/92	जी, हां

क्र.सं.	परियोजना का नाम	क्षमता (मेगावाट)	आईडीसी को छोड़कर अनुमोदित लागत (आईडीसी समेत) (करोड़ रू.)	केविप्रा में प्राप्त होने की तारीख	विद्युत (प्रदाय) अधिनियम की धारा 29 की अनुपालन
1	2	3	4	5	6
			कुछेक शर्तों के अधीन 14.12.93 को स्वीकृति प्रदान की गई। उप-जोड़: (क) क्षमता (सं.-3)-960 मेगावाट ज.वि. (सं.-3)-960 मेगावाट		
ख.	**केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में जांचाधीन**				
1.	पेंच ता.वि. (मैं.पेंच पावर लि.)	2x250=500	(2710)	1/95	जी, हां।
			-केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के आईपीसी की सूचना 1.3.95 को प्राप्त हुई। -मैं. पेंच पावर लि. को हस्तांतरित किए जाने वाले सभी लिकेज मैं. सीटीआईएल के पास उपलब्ध हैं। (सीटीआईएल) की 2x210 में.वा. की मूल स्कीम को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा 16.11.93 को स्वीकृत किया गया था।		
2.	भिलाई ता.वि. (मैं.एल एंड टी, एसएआईएल और सीईए इन्क. यूएसए)	2x250=500	(2135)	1/95	जी, हां।
			कुछेक लिंकेज यथा जल की उपलब्धता (सी), पर्यावरण (सी एंड एस सुनिश्चित किए जाने हैं)		
3.	भंडेर में सीसी ता.वि. जीटी संयंत्र (मैं. इस्सार इन्वेस्टमेंट लि.)	330	(1232)	1/95	जी, नहीं
			18.9.95 को के.वि.प्रा. द्वारा आईपीसी प्रदान की गई। लम्बित लिंकेज: जल की उपलब्धता (सी), पर्यावरण एवं वन संबंधी स्वीकृति तथा पारेषण प्रणाली, सुनिश्चित लागत।		
4.	ग्वालियर ता.वि. डोजी संयंत्र (मैं. ग्वालियर पावर लि.)	126	(525)	3/95	जी, नहीं
			कुछेक लिंकेज यथा जल (सी), पर्यावरण (सी एण्ड एस), ईधन, लिंकेज, पारेषण प्रणाली, सुनिश्चित लागत तथा वित्त पोषण योजना का सुनिश्चित किया जाना। जांच कार्य लम्बित रखा गया हैं।		
5.	पुराना कोरबा पूर्वी विद्युत घर-1 पर कोयला आधारित ताप विद्युत केन्द्र (रायपुर अलायंस एंड स्टील लि. द्वारा प्रवर्तित भारत पावर कारपोरेशन लि.)	3x30=90	(239)	8/95	जी, नहीं।
			कुछेक लिंकेज यथा जल, पारेषण प्रणाली, नागर विमानन स्वीकृति, सुनिश्चित लागत और वित्त पोषण योजना को सुनिश्चित किया जाना।		
7.	कोरबा पश्चिमी ता.वि. ता.वि. केन्द्र (मैं. देबू कारपोरेशन)	2x500=1000	(4630)	8/95	जी, नहीं।
			-सीईए के आईपीसी की सूचना 11.9.95 को प्राप्त हुई। -कुछेक लिंकेज यथा पर्यावरण (सी), जल (सी), पारेषण प्रणाली, नागर विमानन स्वीकृति, सुनिश्चित लागत तथा वित्तपोषण योजना का सुनिश्चित किया जाना।		
7.	कोरबा पश्चिमी ता.वि. (मैं. आरपीएस इंटरप्राइजेज)	2x250=500	2248	12/94	जी, नहीं।
			-के.वि.प्रा. की आईपसी सूचना 12.12.94 को दी गई। -सभी लिंकेज सुनिश्चित किए जाने हैं।		
8.	बीना ता.वि.वि.के. (मैं. बीना पावर सप्लाई कं.)	2x250=500		11/95	जी, नहीं।
			-रिपोर्ट की जांच की जा रही हैं।		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	क्षमता (मेगावाट)	आईडीसी को छोड़कर अनुमोदित लागत (आईडीसी समेत) (करोड़ रू.)	केविप्रा में प्राप्त होने की तारीख	विद्युत (प्रदाय) अधिनियम की धारा 29 की अनुपालन
1	2	3	4	5	6
9.	गुना सी सी ता.वि.पी पी (मै. एसटीआई पावर इंडिया लि.)	330		11/95	जी, नहीं।
			-रिपोर्ट की जांच की जा रही हैं।		
10.	नरसिंहपुर ता.वि. डीजी (मै. जीबीएल पावर लि.)	1255	519	5/95	जी, नहीं।
		-के.वि.प्रा. की आईपीसी सूचना 17.11.95 को दी गई। -अतिरिक्त ब्यौरे की जांच की जा रही हैं। उपजोड़ (ख) क्षमता (संख्या 10)-4001 मेगावाट ता.वि. (सं.10)-4001 मेगावाट			

Incentives to increase arrival of Foreign Tourists in Somnath in Gujarat

1572. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gujarat Government has requested the Central Government to provide adequate publicity to different tourist destinations in the State in its overseas publicity campaign;

(b) if so, what steps Government have taken
in this regard; and

(c) what other incentives are proposed to be given so as to increase the arrival of foreign tourists in Somnath in Gujarat?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) The Department of Tourism, Govt, of India, has an on-going campaign to provide adequate publicity in overseas markets to different tourist destinations in the various States/Union Territories of India including Gujarat. Publicity material on different places of tourist interest in Gujarat has been prepared and sent to the overseas offices of the Deptt. of Tourism for dissemination. In addition, the Deptt. of Tourism has extended publicity support as follows tp the Government of Gujarat in the last two years:

	1993-94	1994-95
	(Rs. in lakhs)	
(i) Printing of publicity literature	5.00	5.00
(ii) Assistance for Fairs and Festivals	4.54	1.69

(c) The Department of Tourism has taken many initiatives for increasing the arrival of foreign tourists to India including Gujarat. The department has launched campaigns to attract more investment in tourism sector and conversion of old buildings into heritage hotels. In addition it has announced new guidelines for time share properties. For Somnath, the Department of Tourism has earlier sanctioned projects under Central financial assistance at a total cost of Rs. 39 iakhs for—

(a) Floodlighting of Somnath Temple;

(b) Construction of tourist complex; and

(c) Construction of Cafeteria.